ISSN No 2277 - 8160
INDEX COPERNICUS IC VALUE : 80.26
Journal DOI : 10.15373/22778160

GLOBAL JOURNAL FOR RESEARCH ANALYSIS

A Peer Reviewed, Referred, Refereed & Indexed International Journal

UGC Sr. No. 49177

Journal for All Subjects

IMPACT FACTOR : 4.547

Volume - 6 | Issue - 10 | October - 2017

₹ 500

Scanned by CamScanner

VOLUME-6, ISSUE-10, OCTOBER-2017 • ISSN No 2277 - 8160

Original Research Paper

Education

छात्राध्यापकों का अध्यापन के प्रति आत्मबोध का अध्ययन

डॉ. विष्णु कुमार

सहायक प्रोफेसर शिक्षा विभाग जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं–341306 (राज.)

ABSTRACT

व्यक्ति अनेक संवेग, मनोवेग, अन्तर्द्वन्द्वों का समूह होता है। वह प्रत्येक कार्य से अनुभव प्राप्त करता है। चाहे अनुभव अच्छा हो या बुरा, वह उन अनुभवों का प्रयोग अपने आगामी जीवन में करता है। अनेक छात्राध्यापकों से वार्तालाप करने पर यह जानने में आया कि अधिकतर छात्राध्यापक प्रारम्भ में अध्यापन–व्यवसाय को अपनाने के लिए कभी आर्थिक कारणों, कभी अध्यापक व्यवसाय के प्रति लगाव से ही तैयार होते हैं लेकिन जब वे महाविद्यालय में प्रवेश लेते हैं और शिक्षण प्रशिक्षण कार्य आरम्भ होता है तो वे एक अनोखे अनुभव से गुजरते हैं। जब वे कक्षा में जाते हैं और अध्यापक की हैसियत से पढ़ाते हैं तो उन्हें अपनी कमियों के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। वह उन्हें सुधारने की कोशिश करते हैं। प्रत्येक छात्राध्यापक की एक ही आन्तरिक इच्छा करती है कि वह कक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे इससे उसमें परिपक्वता विकसित होती है। विचारों में प्रौढ़ता दिखाई देती है। साथ ही वह कक्षा में जाने से पहले अन्य छात्राध्यापकों से वार्तालाप करता है, उनके बारे में जानकारी प्राप्त करता है कि वे कैसे पढ़ा रहे हैं। शिक्षण में उनसे कौन–कौन सी गलतियां हो रही हैं, उनकी स्थिति से वह अपने स्वयं की स्थिति का आंकलन करता है जिससे उसे धीरे–धीरे यह अवबोध होने लगता है कि उसकी स्थिति कैसी है और दूसरों के उसके बारे में कौन–कौन से विचार है? अतः वह सब छात्राध्यापकों से अच्छा पढ़ाने की कोशिश करता है। अर्थात व्यक्ति अपनी कमजोरियों का आंकलन करने में समर्थ होता है और कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करता है। प्रसिद्ध शिक्षाविद् कैटल ने कहा है कि आत्म–प्रत्यय व्यक्तित्व का केन्द्र बिन्दु है।

KEYWORDS

अध्ययन के उद्देश्य

1. छात्राध्यापकों के आत्मबोध का अध्ययन।
2. छात्राध्यापिकाओं के आत्मबोध का अध्ययन।
3. छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं के आत्मबोध का तुलनात्मक अध्ययन।

अध्ययन की परिकल्पनाएं :

1. छात्राध्यापकों का आत्मबोध सकारात्मक पाया जाता है।
2. छात्राध्यापिकाओं का आत्मबोध सकारात्मक पाया जाता है।
3. छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं के आत्मबोध में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

न्यादर्श :

यादृच्छिक न्यादर्श पद्धति से जयपुर शहर के बी.एड. कॉलेज से 60 छात्राध्यापकों व छात्राध्यापिकाओं का चयन किया गया, जिसमें 40 छात्राध्यापक एवं 20 छात्राध्यापिकाओं का चयन किया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण :

डॉ. जी.पी. शैरी, आर.पी. वर्मा व पी.के. गोस्वामी द्वारा निर्मित आत्मबोध परीक्षण। आत्मबोध परीक्षण में 48 कथन है जो स्व–बोध की आठ विभिन्न दिशाओं में फलांकन देते हैं। इस प्रकार वर्तमान परीक्षण आठ विभिन्न क्षेत्रों में आत्मबोध का मापन करता है। परीक्षक के कथन बहुत ही सरल व स्वयं द्वारा पोषित हां अथवा नहीं में होते है। उत्तर पत्रक पर देने होते हैं। अक्सर इस परीक्षण को पूरा करने में बीस मिनट का समय लगता है। उच्च फलांकन निम्न आत्मबोध को दर्शाता है जबकि निम्न फलांकन निम्न आत्मबोध को दर्शाता है–

परीक्षण में आत्मबोध के क्षेत्र	प्रश्न संख्या	कुल
1 शारीरिक	9,19,24,27,39,44	6
2 स्वाभाविक विशेषताएं	1,10,28,24,35	5
3 शैक्षिक स्तर	2,3,11,16,25,29,35,46	8
4 बौद्धिक स्तर	4,12,17,20,30,36,47	7
5 आदत व व्यवहार	5,13,31,40,48	5
6 भावनात्मक प्रवृति	6,14,21,32,41	5
मानसिक आयु	7,15,22,26,33,37,42	7
सामाजिक–आर्थिक स्तर	8,18,23,38,43	5

वैधता–तार्किक वैधता

परीक्षण में आत्मबोध के क्षेत्र	A	B	C	D	E	F	G	H
1. शारीरिक	1.00	.20	.39	.26	.30	.28	.27	.29
2. स्वाभाविक विशेषताएं		1.00	.32	.24	43	.37	.34	.32
3. शैक्षिक स्तर			1.00	.34	.30	.35	.31	33
4. बौद्धिक स्तर				1.33	.22	.35	.33	.31
5. आदत व व्यवहार					1.00	.26	.23	.23
6. भावनात्मक प्रवृति						1.00	.39	.31
7. मानसिक आयु							1.00	.35
8. सामाजिक–आर्थिक स्तर								1.00

अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी :

प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के विश्लेषण एवं अर्थापन हेतु मध्यमान, प्रामाणिक विचलन तथा टी मूल्य सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है।

सारणी संख्या–1 छात्राध्यापकों के आत्मबोध के प्रति प्राप्तांक

रा. स्कोर	आवृत्ति	प्रतिशत	स्तर
45.50	13	32°5	अति उत्तम
39.44	15	37°5	उत्तम
27.38	12	30°0	सामान्य
21.26	.	.	निम्न
0.20	.	.	अति निम्न

सारणी संख्या 1 में छात्राध्यापकों के आत्मबोध के प्राप्तांकों को दर्शाया गया है जिसमें 45 से 50 के मध्य 32.5 प्रतिशत छात्राध्यापकों ने अंक प्राप्त किये, जो अति उत्तम स्तर का परिचायक है। 39–44 के मध्य 37.5 प्रतिशत छात्राध्यापकों ने अंक प्राप्त किये अर्थात् 37.5 प्रतिशत छात्राध्यापकों को आत्मबोध उत्तम प्रकार का है। 27 से 38 के मध्य 30 प्रतिशत छात्राध्यापकों ने अंक प्राप्त किये जो सामान्य स्तर का आत्मबोध रखते हैं। 21 से 26 के मध्य किसी भी छात्राध्यापक ने अंक प्राप्त नहीं किये अथात निम्न स्तर का आत्मबोध नहीं पाया गया। 0 से 20 के मध्य किसी भी छात्राध्यापक ने अंक प्राप्त नहीं किये अर्थात् निम्न य अति निम्न स्तर का आत्मबोध भी नहीं पाया गया। सारणी का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि 70 प्रतिशत छात्राध्यापकों ने उत्तम व अति–उत्तम द 30 प्रतिशत ने औसत स्तर के आत्मबोध को दर्शाया है।

सारणी संख्या–2 छात्राध्यापिकाओं के आत्मबोध के प्रति प्राप्तांक

रा. स्कोर	आवृत्ति	प्रतिशत	स्तर
45.50	2	10	अति उत्तम
39.44	10	50	उत्तम
27.38	8	40	सामान्य
21.26	.	.	निम्न
0.20	.	.	अति निम्न

सारणी संख्या 2 में छात्राध्यापिकाओं के आत्मबोध के प्राप्तांकों को दर्शाया गया है जिसमें 45 से 50 के मध्य 10 प्रतिशत छात्राध्यापिकाओं ने अंक प्राप्त किये, जो अति उत्तम स्तर का परिचायक है। 39–44 के मध्य 50 प्रतिशत छात्राध्यापिकाओं ने अंक प्राप्त किये, अर्थात् 60 प्रतिशत छात्राध्यापिकाओं को आत्मबोध उत्तम प्रकार का है। 27 से 38 के मध्य 40 प्रतिशत छात्राध्यापिकाओं ने अंक प्राप्त किये जो सामान्य स्तर का आत्मबोध रखते हैं। 21 से 26 के मध्य किसी भी छात्राध्यापिका ने अंक प्राप्त नहीं किये अर्थात् निम्न स्तर का आत्मबोध नहीं पाया गया। 0 से 20 के मध्य किसी भी छात्राध्यापिका ने अंक प्राप्त नहीं किये अर्थात् निम्न द अति निम्न स्तर का आत्मबोध भी नहीं पाया गया।

सारणी का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि 60 प्रतिशत छात्राध्यापिकाओं ने सामान्य स्तर का आत्मबोध प्रदर्शित किया। मध्य किसी भी छात्राध्यापिका ने अंक प्राप्त नहीं किये अर्थात् निम्न व अति निम्न स्तर का आत्मबोध भी नहीं पाया गया।

सारणी संख्या–3 छात्राध्यापको एवं छात्राध्यापिकाओं के आत्मबोध का प्राप्तांक

विद्यार्थी	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	संख्या	ज मूल्य
छात्राध्यापिकाएं	38°90	5°20	20	2°707
छात्राध्यापक	40°60	5°37	40	

सारणी संख्या 3 में छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं के आत्मबोध को दर्शाया गया है। छात्राध्यापिकाओं का मध्यमान 38.9 तथा प्रमाणिक विचलन 5.20 है। छात्राध्यापकों का मध्यमान 40.6 तथा प्रमाणिक विचलन 5.37 है। छात्राध्यापिकों व

Scanned by CamScanner